आकाशवाणी केन्द्र शिमला

01.04.2024 / प्रादेशिक समाचार / 18:00बजे

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत को अगले 10 वर्षों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत है, ताकि देश पर वैश्विक परिस्थितियों का ज्यादा प्रभाव न पड़े। प्रधानमंत्री ने आज भारतीय रिजर्व बैंक के 90 वर्ष पूरा होने पर मुम्बई में आयोजित समारोह में कहा कि भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है और यह शोध का विषय है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में उनकी सरकार और रिजर्व बैंक द्वारा उठाए गए कदमों के कारण बैंकिंग क्षेत्र लाभ की स्थिति में है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पुनरुद्धार के लिए साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये की पूंजी डाली है। उन्होंने कहा कि 2018 में लगभग 11 दशमलव 25 प्रतिशत की सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सकल गैर–निष्पादित संपत्ति पिछले साल सितंबर तक गिरकर तीन प्रतिशत से भी कम रह गई। कार्यक्रम में केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण, वित्त राज्य मंत्री भागवत किशनराव कराड और पंकज चौधरी भी मौजूद थे।

रजनीश किमटा

प्रदेश कांग्रेस संगठन महामंत्री रजनीश किमटा ने कहा है कि भाजपा में जो उथल पुथल चल रही है उससे साफ है कि पार्टी के भीतर आपसी मतभेद हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के विधायको को भाजपा में शामिल कर जिस प्रकार भाजपा ने उन्हें अपना उम्मीदवार घोषित किया है उससे पार्टी के भीतर विद्रोह की स्थिति उत्पन्न हो गई है। रजनीश किमटा ने कहा कि भाजपा नेता व कार्यकर्ता स्वयं को अपमानित महसूस कर रहें है। किमटा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर कांग्रेस के बागी विधायकों को पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल से मिलकर उन्हें मनाने का असफल प्रयास कर रहें है। उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार के उस कथन का समर्थन किया जिसमें उन्होंने कहा है कि भाजपा अपने पथ से पूरी तरह भटक गई है। उन्होंने कहा है कि भाजपा सत्ता की लालसा में ऐसे कृत्य कर रही है जो देश व प्रदेश की राजनीति को शर्मसार करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा ने जनमत का अपमान किया है और प्रदेश में उप चुनाव थोप कर लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोग भाजपा को कभी माफ नही करेंगे। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की चारों लोकसभा सीटों के साथ साथ छह विधानसभा उप चुनावों में कांग्रेस अपनी जीत का परचम लहराएगी।

एचआरटीसी

हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम इस वर्ष अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे कर रहा है और इस उपलक्ष्य पर निगम द्वारा स्वर्ण जयंती उत्सव मनाया जा रहा है। 50 वर्षों की यादगार और संघर्षशील यात्रा को प्रदर्शित करने के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम शिमला स्थित एमडी कार्यालय में बस संग्रहालय बनाने जा रहा है जिसमें अब तक के बसों के मॉडल, पुरानी टिकटें, बसों की पुरानी तस्वीरें और कलपुर्जे संजोए जाएंगे जो स्थानीय लोगों के साथ–साथ सैलानियों के लिए भी आकर्षण का केंद्र होगा। निगम के प्रबंध निदेशक रोहन चंद ठाकुर ने बताया कि एचआरटीसी स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर को स्वर्ण जयंती उत्सव के रूप में मना रहा है। उन्होंने कहा कि निगम एचआरटीसी बसों की वीडियो और फोटो स्पर्धा आयोजित कर चुका है। इसी कड़ी में अब एचआरटीसी बस संग्रहालय बनाने जा रहा है जिसमें 1974 से 2024 तक निगम के बेड़े में शामिल हुई हर प्रकार की बसों के मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे। रोहन चंद ठाकुर ने बताया कि निगम ने बसों के मॉडल बनवाने शुरू कर दिए हैं और 6 तरह की बसों के मॉडल तैयार हो चुके हैं जबकि अन्य पर काम जारी है।

एचआरटीसी–2

रोहन चंद ठाकुर ने बताया कि एचआरटीसी 30 मई तक अपने सभी 31 यूनिट को कैशलैस कर लेगा। उन्होंने कहा कि पहले चरण में शिमला में लोकल बसों सहित वॉल्वो बसों को कैशलैस कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में नाहन, सोलन, पालमपुर, सुंदरनगर, हमीरपुर, मंडी बिलासपुर, धर्मशाला, सरकाघाट, ऊना, बैजनाथ, धर्मपुर यूनिट को 30 अप्रैल तक कैशलैस बनाने का लक्ष्य है जबकि अन्य यूनिट को 31 मई तक कैशलैस कर दिया जायेगा।

जीएसटी संग्रह

वस्तु और सेवा कर–जीएसटी का सकल राजस्व इस वर्ष मार्च तक वार्षिक आधार पर 11 प्रतिशत की बढ़त के साथ एक लाख 78 हजार करोड रुपये का संग्रह हुआ। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने कहा कि घरेलू लेन–देन में 17 दशमलव छह प्रतिशत की बढत से जीएसटी संग्रह में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई। पिछले वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह का मासिक औसत एक लाख 68 करोड रुपये रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष के एक लाख 50 हजार करोड के औसत से अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि इस साल मार्च में जीएसटी राजस्व का शुद्ध रिफंड एक लाख 65 हजार करोड़ रुपये है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 18 दशमलव 4 प्रतिशत अधिक है।

चुनाव बहिष्कार

चंबा ज़िला के जनजातीय क्षेत्र भरमौर की खणी और गरिमा पंचायतों के लोगों ने एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल को खणी से स्थानांतरित करने के विरोध में लोकसभा चुनावों का बहिष्कार करने का फैसला लिया है। एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल खणी संघर्ष समिति के अध्यक्ष दीपक जमवाल सहित अन्य सदस्यों ने कहा है कि भरमौर प्रशासन ने इस स्कूल को स्थानांतरित न करने की समिति की मांग को अनदेखा किया है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत करवाया गया, लेकिन हर बार उनकी मांग को अनसुना किया गया। दीपक जमवाल ने कहा कि इसके चलते लोगों में काफी रोष है और अगर कोई सार्थक हल नहीं निकाला गया, तो खणी और गरिमा पंचायतों के लोग लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

——